वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात (ICOR)

//

वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात (ICOR)

यह उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई का उत्पाद करने के लिये आवश्यक पूंजी-निवेश की अतिरिक्त इकाइयों को संदर्भित करता है

परिचय

- अर्थव्यवस्था में किये गए **निवेश के स्तर** और उसके बाद सकल **घरेलू उत्पाद में वृद्धि** के बीच संबंध स्पष्ट करता है।

विकसित रूप

- वर्ष **1939 में हैरोड-डोमर ग्रोथ थ्योरी** (जो विकास के प्रमुख निर्धारकों के रूप में बचत और निवेश के महत्त्व पर ज़ोर देती है) से विकसित।

उत्पादन से संबंध

- किसी देश की उत्पादन दक्षता का स्तर निर्धारित करता है।
- **कम ICOR = अधिक कुशल उत्पादन/पूंजी** (इसका मतलब है कि एक अर्थव्यवस्था पूंजी-निवेश में कम वृद्धि के साथ अधिक उत्पादन कर सकती है)।

जहाँ GDP किसी अर्थव्यवस्था के आकार के बारे में जानकारी देता है,
वहीं ICOR बताता है कि यह कितनी कुशलता से संचालित होती है

$$ICOR = \frac{\text{वार्षिक निवेश}}{\text{GDP में वार्षिक वृद्धि}}$$

किसी देश 'A' के लिये उत्पाद 'P' में निवेश;

पूंजी निवेश: $1,000,000
GDP में बदलाव (↑): $500,000

अब, ICOR की गणना करने के लिये, उपर्युक्त सूत्र का उपयोग कीजिये;

ICOR = $1,000,000 ÷ $500,000
ICOR = 2

अर्थात्-

- **अर्थव्यवस्था में किये गए प्रत्येक अतिरिक्त $1,000,000 पूंजी-निवेश के लिये, आर्थिक उत्पादन (या GDP) $500,000 बढ़ जाता है।**
- **अतिरिक्त $1 का आर्थिक उत्पादन करने के लिये $2 के पूंजी-निवेश की आवश्यकता होती है।**

अब, यदि पिछले वर्ष A का ICOR 4 था, तो इसका तात्पर्य है कि A पूंजी के उपयोग में अधिक कुशल हो गया है।

भारत और ICOR

- **वित्तीय वर्ष 2012 में ICOR** - 7.5
- **वित्तीय वर्ष 2022 में ICOR** - 3.5

आलोचना

- **यह विकासशील देशों के पक्ष में है** जो अभी भी विकसित देशों (जो पहले से ही अपने श्रेष्ठतम स्तर पर काम कर रहे हैं) के विपरीत अपने बुनियादी ढाँचे और तकनीक को उन्नत कर सकते हैं ।
- **अमूर्त संपत्तियों (डिज़ाइनिंग, R&D आदि)** को निवेश स्तर और GDP में शामिल करना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

Drishti IAS

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/incremental-capital-output-ratio-1